१४ सितम्बर - ३० सितम्बर

हिन्दी पखवाड़ा-2025
प्रतिवेदन

स्वर्ण जयंती विशेषांक

राजभाषा अनुभाग,

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान,

जबलपुर (म.प्र.)

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>डाकघर – आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड़,</u>

<u>जबलपुर (म.प्र.) – 482 021</u>

<u>हिन्दी पखवाड़ा “2025” “स्वर्ण जयंती वर्ष”</u>

निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के मार्गदर्शन में हिन्दी के प्रयोग-प्रसार एंव हिन्दी पखवाड़ा 2025 ‘‘स्वर्ण जयंती वर्ष’’ के अन्तर्गत दिनांक 14 सितम्बर, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़े में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रमवार विवरण निम्नवत् है -

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

हिंदी दिवस– 2025 एवं पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14-15 सितम्बर 2025 को हिंदी दिवस एवं पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन गांधीनगर, गुजरात में किया गया। देशभर के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और सरकारी उपक्रमों से आए विभिन्न प्रितनिधियों, साहित्यकारों, भाषा-विशेषज्ञों और हिन्दी प्रेमियों ने इस राजभाषा सम्मेलन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन न केवल हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करने वाला था, बल्कि इसके संवर्धन और प्रसार के लिए एक साझा मंच भी बना। उक्त संम्मेलन में भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान से श्री विनय अंखिया, अवर श्रेणी लिपिक ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ 14 सितम्बर की प्रातः वंदेमातरम् और दीपप्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और हिंदी दिवस पर राष्ट्र को संबोधित किया।

माननीय श्री अमित शाह, गृह एंव सहकारिता मंत्री का संदेश –

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। हिंदी हमारी अभिव्यक्ति का माध्यम होने के साथ-साथ राष्ट्र की साझा धरोहर भी है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों में होना चाहिए ताकि यह देश की प्रगति की भाषा बन सके। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मातृभाषा से जुड़ना आत्म गौरव और आत्मविश्वास से जुड़ना है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे हिंदी को अपनाकर इसे वैश्विक मंच तक पहुँचाएँ और इसे विश्व की अग्रणी भाषाओं में स्थापित करें। अमित शाह जी ने यह भी कहा कि हिंदी जितनी सरल और सहज भाषा है, उतनी ही सामर्थ्यवान भी है, जो राष्ट्र के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का कार्य करती है।

प्रथम दिवस (14 सितम्बर, 2025) –

उद्घाटन सत्र के पश्चात् विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनमें 'राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन', 'ई-गवर्नेंस और हिंदी' तथा 'नई प्रौद्योगिकी में हिंदी की भूमिका' जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने प्रशासनिक कार्यों को हिंदी में संपन्न करने की आवश्यकता पर बल दिया और अवगत कराया गया कि डिजिटल माध्यमों व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) में हिंदी का प्रयोग किस प्रकार बढ़ाया जा सकता है।

<u>द्वितीय दिवस (15 सितम्बर 2025) –</u>

दूसरे दिन विभिन्न मंत्रालयों एवं कार्यालयों द्वारा राजभाषा हिंदी में किए गए नवाचारों और पहलों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। 'मंथनसत्रों' में यह चर्चा हुई कि कैसे हिंदी को प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर और सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2024-25 के राजभाषा पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें उन मंत्रालयों, विभागों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान दिया। पुरस्कार वितरण समारोह ने प्रतिभागियों में हिंदी के प्रति गर्व और प्रेरणा का संचार किया। शाम को आयोजित साहित्यिक संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिन्होंने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया। नृत्य-नाटिकाओं ने हिंदी की साहित्यिक और सांस्कृतिक समृद्धि का भव्य चित्रण प्रस्तुत किया।

उक्त दो दिवसीय हिंदी दिवस एवं पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में पुनःस्थापित किया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि हिंदी केवल सरकारी भाषा न हो कर भारत की आत्मा है, जो देश के कोने-कोने को एक सूत्र में पिरोती है। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रशासनिक प्रयोग को और गति देंगे ताकि यह भाषा आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी सशक्त और प्रासंगिक बने। इस प्रतिबद्धता के साथ संस्थान में राजभाषा हिन्दी में अनावरत वृद्धि हेतु उत्साहपूर्वक हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया गया।

<u>**भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान**</u>

<u>**विषय - भारतीय साहित्य में पर्यावरण चेतना।**</u>

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **16 सितम्बर,** 2025 को भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान की तरफ से राजभाषा **"स्वर्ण जयंती वर्ष"** के रूप में भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजित किया गया। इस आयोजन के दौरान माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष का संदेश चलचित्र के माध्यम से सभागार में प्रस्तुत किया गया। साथ ही साथ भारतीय साहित्य में पर्यावरण चेतना विषय पर डॉ. कौशल त्रिपाठी द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गए, जिसमें उन्होने वैश्विक जगत में हुई अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशंस (अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों या अंतर्राष्ट्रीय समझौते) एवं संधियों पर पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन एवं भविष्य में कन्वेंशंस के प्रभाव का मूल्यांक एवं अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण पर विशेष चिंतन एवं सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस दौरान संस्थान की ओर से डॉ. एच.एस. गिनवाल, निदेशक की अध्यक्षता में समस्त प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, उप वन संरक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राऐं उपस्थित रहें। इस वर्ष स्वर्ण जयंती के दौरान महेश पुस्तक भण्डार गीता प्रेस एवं विश्व वाणी संस्थान की ओर से पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया। उक्त कार्यक्रम के संयोजक श्री दर्शन गट्टानी, भा.व.से., उप वन संरक्षक (प्रशासन) रहे।

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>विषय - हिन्दी-अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी वैज्ञानिक/तकनीकी शब्दावली एवं हिन्दी में वैज्ञानिक लेख।</u>

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **17 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में हिन्दी-अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी वैज्ञानिक/तकनीकी शब्दावली एवं हिन्दी में वैज्ञानिक लेख की प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक-एफ, श्री दिग्विजय सिंह राठौर, वैज्ञानिक- सी, कु. कोमल रानी, वैज्ञानिक- बी एवं डॉ. पी.के. राना, मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे । उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती अलका सिंह, द्वितीय स्थान कु. नेहा नामदेव एवं तृतीय स्थान कु. दीपाली नारनवरे ने प्राप्त किया।

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

विषय - हिन्दी-अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली, हिन्दी टिप्पण एवं पत्र मसोदा लेखन की प्रतियोगिता ।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **18 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में हिन्दी-अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली, हिन्दी टिप्पण एवं पत्र मसोदा लेखन की प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक- एफ, श्री नीरज प्रजापती, वैज्ञानिक- सी तथा श्री मनीष कुमार विजय, वैज्ञानिक- सी रहे । उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री रविकांत साहू, द्वितीय स्थान श्री अनिल विश्वकर्मा एवं तृतीय स्थान श्री प्रभात सेन ने प्राप्त किया।

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

विषय - "प्रकृति निकेतन राजभाषा पार्क" की स्थापना।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **19 सितंबर 2025,** राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा **"प्रकृति निकेतन राजभाषा पार्क"** की स्थापना संस्थान परिसर में की गई, जिसमें मध्य भारत के हिन्दी कवियों का जीवन वृत एवं रचनाओं को प्रदर्शित करते हुए उनकी स्मृति पटल पार्क में स्थापित की गई, जिसका लोकार्पण डॉ. एच.एस. गिनवाल, निदेशक महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में यूनियन बैंक जबलपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री समीर कुमार सम्मिलित हुये। इस आयोजन के दौरान जबलपुर से महेश पुस्तक

भंडार की तरफ से गीता प्रेस की पुस्तकों का स्टॉल लगाया गया। साथ ही साथ जॉय स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। राजभाषा के माध्यम से वानिकी शिक्षा का प्रसार और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से स्थापित यह पार्क कर्मचारियों एवं आगन्तुकों के लिए राजभाषा हेतु प्रेरणा का स्थल बनेगा। इस दौरान संस्थान की ओर से डॉ. एच.एस. गिनवाल, निदेशक की अध्यक्षता में समस्त प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, उप वन संरक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राऐं उपस्थित रहें।

हरिशंकर
जन्म: 22 अगस्त 1924, जमानी
मृत्यु: 10 अगस्त 1995

शरद जोशी

सन्देश
कंचन देवी, भा.व.से.

हिन्दी पखवाड़ा “2025” के अंतर्गत पुस्तक मेले का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

विषय - हिन्दी-अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी प्रशासनिक शब्दावली, हिन्दी टिप्पण एवं पत्र मसोदा लेखन की प्रतियोगिता ।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **19 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में वैज्ञानिक, प्रशासनिक तथा तकनीकी हिन्दी-अंग्रेजी शब्दावली एवं हिन्दी तकनीकी लेखन अभ्यास (हिन्दीतर भाषी वर्ग हेतु) की प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण श्री निखिल वर्मा, वैज्ञानिक- सी, श्री अजीत कुमार मौर्य, वैज्ञानिक- बी, सुश्री सुषमा मरावी, मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री मनीष कुमार सपकाल, द्वितीय स्थान श्री आनंद अधिकारी एवं तृतीय स्थान डॉ. निधीश टी.डी ने प्राप्त किया।

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>विषय – विचार प्रस्तुति कार्यक्रम।</u>

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक 22 **सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में विचार प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक- जी (प्रमुख भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज) ने विषय – "व्याख्यानमाला/ कवि रचना श्रृंखला विशेष स्वरचित प्रस्तुति" पर अपने विचार प्रस्तुत किये। डॉ. दिव्य प्रकाश, वैज्ञानिक-बी ने विषय – "राजभाषा में विज्ञान में संचार की संभावनाएँ" पर अपने विचार प्रस्तुत किये, सुश्री कोमल रानी, वैज्ञानिक – बी ने विषय – "गुणवत्तापरक, नवाचारयुक्त शिक्षा से ही संवरेगा भविष्य" पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में संस्थान की ओर से डॉ. एच.एस. गिनवाल, निदेशक की अध्यक्षता में समस्त प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, उप वन संरक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राऐं उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. धीरज गुप्ता, वैज्ञानिक – डी ने किया।

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>विषय – निबंध प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता।</u>

हिन्दी पखवाड़ा “2025” के अंतर्गत दिनांक **23 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में केन्द्रीय विद्यालय एवं संस्थान के कार्मिकों के बच्चो के लिये विषय – “पर्यावरण को संरक्षण कैसे करे” पर निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. एम. राजकुमार, वैज्ञानिक-ई, डॉ. दीपिका जंगम, वैज्ञानिक- सी, डॉ. निधी मेहता, मुख्य तकनीकी अधिकारी तथा श्री सैकत बैनर्जी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे। उक्त निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री पलक पाठक, द्वितीय स्थान सुश्री अंजली यादव एवं तृतीय स्थान सुश्री आयुषी राजपूत तथा स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री युवराज सिंह, द्वितीय स्थान सुश्री पलक पाठक एवं तृतीय स्थान सुश्री आयुषी राजपूत ने प्राप्त किया।

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>विषय – सामान्य हिन्दी- अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी समानार्थी शब्द एवं हिन्दी शब्दो का वाक्य में प्रयोग प्रतियोगिता।</u>

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **24 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में सामान्य हिन्दी- अंग्रेजी एवं अंग्रेजी-हिन्दी समानार्थी शब्द एवं हिन्दी शब्दो का वाक्य में प्रयोग प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. नसीर मोहम्मद, वैज्ञानिक-ई, डॉ. निधीश टी.डी., वैज्ञानिक- बी, श्री राजेश कुमार मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी तथा श्री नाहर सिंह मावई, मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री रजनीश कुमार मीना, द्वितीय स्थान श्री ब्रज किशोर चक्रवर्ती एवं तृतीय स्थान श्रीमती आशा पटेल ने प्राप्त किया।

<u>भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान</u>

<u>विषय – पर्यावरण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु वानिकी अनुसंधान की भूमिका पर हिन्दी भाषण ।</u>

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **25 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में विषय – "पर्यावरण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु वानिकी अनुसंधान की भूमिका" पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण श्री ए.जे.के. असैया, वैज्ञानिक-डी तथा श्री प्रमोद सिंह राजपूत, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री जगानंद पाई, द्वितीय स्थान श्री मनोज कुमार पूसाम एवं तृतीय स्थान श्री अभिषेक कमल ने प्राप्त किया।

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
विषय – कर्मयोगी एवं जन जागरूकता से भूमि पुनरूत्थान और पर्यावरण सुरक्षा पर हिन्दी निबंध लेखन।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **26 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में विषय – "कर्मयोगी एवं जन जागरूकता से भूमि पुनरूत्थान और पर्यावरण सुरक्षा" पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. हरि ओम सक्सेना, वैज्ञानिक-ई, डॉ. सुरेन्द्र नाथ मिश्रा, वैज्ञानिक-डी, श्री दिव्य प्रकाश, वैज्ञानिक-बी एवं श्रीमती शशि किरण बर्वे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री रविकांत साहू, द्वितीय स्थान श्री रजनीश कुमार मीना एवं तृतीय स्थान श्री आशीष कुमार रंगारी ने प्राप्त किया।

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
विषय – हिन्दी पाप्युलर अनुसंधान आर्टिकल प्रतियोगिता।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **29 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी पाप्युलर अनुसंधान आर्टिकल हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. (श्रीमती) नीलू सिंह, निदेशक, डॉ. नसीर मोहम्मद, वैज्ञानिक- ई, श्री एम. राजकुमार, वैज्ञानिक-ई एंव संपादक वन संज्ञान पत्रिका, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी एंव संपादक वन संज्ञान पत्रिका रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री निखिल वर्मा, द्वितीय स्थान श्री मनीष कुमार विजय एवं तृतीय स्थान श्री नीरज प्रजापति ने प्राप्त किया।

भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
विषय – हिन्दी में देश भक्ति गीत, काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह।

हिन्दी पखवाड़ा "2025" के अंतर्गत दिनांक **30 सितंबर 2025**, राजभाषा स्वर्ण जंयती वर्ष एवं हिंदी पखवाड़े के अंर्तगत भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी में देश भक्ति गीत, काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई, जिसके निर्णायकगण डॉ. (श्रीमती) नीलू सिंह, निदेशक, डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक- जी, डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक-एफ, तथा श्री धीरज गुप्ता, वैज्ञानिक - डी रहे। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री हीरा लाल

असाटी, द्वितीय स्थान कु. प्रीति शुक्ला एवं तृतीय स्थान श्रीमती निकिता राय तथा श्री जितेन्द्र कुमार अवस्थी ने प्राप्त किया।

साथ ही दिनांक 14/09/2025 से 30/09/2025 तक आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। इस दौरान संस्थान की ओर से डॉ. (श्रीमती) नीलू सिंह, निदेशक की अध्यक्षता में समस्त प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं छात्राऐं उपस्थित रहें।

संस्थान में राजभाषा हिन्दी में कार्य करने एंव हिन्दी के प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग देने हेतु राजभाषा उदिषा एवं राजभाषा मंजूषा पुरस्कार के अंर्तगत संस्थान के निम्नलिखित कार्मिकों को उदिषा एवं राजभाषा मंजूषा पुरस्कार प्रदान किये गए।

<u>राजभाषा मंजूषा पुरस्कार –</u>

1- डॉ. फातिमा शिरिन, वैज्ञानिक – जी,
2- डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक – एफ,
3- डॉ. नसीर मोहम्मद, वैज्ञानिक – ई,
4- डॉ. दिग्विजय राठौर, वैज्ञानिक – सी,
5- श्री निखिल वर्मा, वैज्ञानिक – सी,
6- श्री रोशन कुमार, शाखा प्रबंधक युनियन बैंक ऑफ इंडिया, टी.एफ.आर.आई.

<u>राजभाषा उदिषा पुरस्कार -</u>

1- डॉ. दीपिका जंगम, वैज्ञानिक – सी,
2- श्री प्रमोद सिंह राजपूत, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
3- श्री अल्फ्रेड फ्रांसिस, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
4- श्री अनिल विश्वकर्मा, उच्च श्रेणी लिपिक
5- कु. खुशी, अवर श्रेणी लिपिक

H&M

णकटिबंधीय वन अनुसंधान
स्थान

कटिबंधीय वन अनुसंध
संस्थान

प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

“वही भाषा शक्तिसम्पन्न और सजीव मानी जाती है, जो दूसरी भाषा के शब्दों को ग्रहण कर उन्हे अपने रंग में रंग ले”

- बाबू श्यामसुन्दर दास

सभापति-षष्ठ अधिवेशन, प्रयाग सं. 1972

“धन्यवाद”